राजकीय महाविद्यालय जुखाला के प्रतीक चिह्न का विवरण

राजकीय महाविद्यालय जुखाला का प्रतीक चिह्न बिलासपुर जिला के जुखाला क्षेत्र की भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अवधारणाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इस प्रतीक चिह्न में समाहित प्रत्येक तत्व क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक चेतना तथा ज्ञान–परंपरा को अभिव्यक्त करता है।

इस प्रतीक चिह्न में क्षेत्र के तीन प्रमुख धामों – मार्कण्डेय धाम, वटिकृष्ण धाम एवं इन्द्रदमन धाम –को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाया गया है। घड़ों से प्रवाहित पवित्र जल इन धामों की पावनता, ज्ञान–धारा एवं आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। वहीं ध्यानमग्न योगी मार्कण्डेय ऋषि इस बात को अभिव्यक्त करते हैं कि यह क्षेत्र एक ऐसी तपोभूमि है, जहाँ ज्ञान, संस्कृति, संस्कारों एवं आध्यात्मिक चेतना की समृद्ध परंपरा विद्यमान रही है।

प्रतीक चिह्न में अंकित त्रिशूल भगवान शिव की शक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है। पुस्तक पर प्रज्वलित दीपक ज्ञानार्जन एवं शिक्षा के प्रकाश का प्रतीक है। यह अज्ञानता एवं निरक्षरता को दूर कर समाज में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का संदेश देता है।

प्रतीक चिह्न में प्रयुक्त ओजपूर्ण रंग इस क्षेत्र की जीवंतता, आध्यात्मिकता एवं दिव्य भौगोलिक विशेषताओं को अभिव्यक्त करते हैं। इस प्रकार यह प्रतीक चिह्न "राजकीय महाविद्यालय जुखाला" की भौगोलिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं शैक्षणिक पहचान का सशक्त प्रतिनिधित्व करता है तथा महाविद्यालय के स्वरूप, प्रकृति एवं उद्देश्यों के साथ पूर्णतः सामंजस्य स्थापित करता है।

प्रतीक चिह्न के मूल मंत्र :

"विश्वासः सम्पदां मूलम्" – पंचतंत्र

अर्थ– विश्वास ही समृद्धि का मूल है।

"विद्यया देवलोकः" – बृहदारण्यक उपनिषद 1-3-21

अर्थ– विद्या से देवलोक की प्राप्ति होती है।

"बुद्धि र्ज्ञानेन शुध्यति" – मनुस्मृति 5/109

अर्थ– बुद्धि ज्ञान से शुद्ध होती है।

(Dr. H.L. Sharma)

Principal
Govt. College Jukhala
District Bilaspur, H.P.

दिनांक: 21-08-2026